भारतीय वानिकी
अनुसंधान एवं
शिक्षा परिषद
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,
भारत सरकार की स्वायत्त परिषद)

वानिकी समाचार

मई 2025 वर्ष 17 सं.05

निरंतर

- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा दिनांक 19 मई 2025 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत प्राकृतिक संसाधनों के रूपांतरण, अनुकूलन तथा तन्यकता निर्माण के लिए अनुसंधान एवं अनुप्रयोग हेतु राष्ट्रीय संस्थान (निरंतर) की पहली त्रैमासिक बैठक भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने की और इस बैठक में भा.वा.अ.शि.प. के उप महानिदेशक (अनुसंधान), समस्त भा.वा.अ.शि.प. नौ संस्थानों के निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (कोलकाता) के निदेशक, राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र (एनसीएससीएम, चेन्नई), और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रतिनिधि, भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून), जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान (गंगटोक) और अन्य हितधारक उपस्थित रहें।

भा.वा.अ.शि.प. (मु.) द्वारा भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में निरंतर की पहली तिमाही बैठक

अनुक्रमणिका	पृष्ठ सं.
निरंतर	01
अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस–2025	02
मिशन लाईफ	03
महत्वपूर्ण शोध निष्कर्षण	04
परामर्शी	04
कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	07
वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत गतिविधियाँ	09
समझौता ज्ञापन	10
प्रकृति कार्यक्रम	11
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	12
प्रकाशन	13
राजभाषा गतिविधि	14
विविध	14
मानव संसाधन समाचार	15

अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025

- भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों एवं केंद्रों द्वारा दिनांक 22 मई 2025 को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं.

मिशन लाईफ

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून ने दिनांक 29 मई 2025 को देहरादून के पंडितवाड़ी और प्रेमनगर के आसपास के क्षेत्र में "एकल उपयोगी प्लास्टिक और ई–कचरे को कम करने" पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा "एकल उपयोगी प्लास्टिक और ई–कचरे को कम करने" पर जागरूकता कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून ने दिनांक 19 मई 2025 को व.अ.सं. परिसर में एक–पेड़–माँ–के–नाम अभियान के अंतर्गत पेड़ो के रखरखाव और देखभाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के आठ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा "पर्यावरण के लिए जीवनशैली" पर जागरूकता कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने दिनांक 17 मई 2025 को जी.बी. पंत मेमोरियल डिग्री कॉलेज, रामपुर, बुशहर (हिमाचल प्रदेश) में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में रामपुर के आसपास के क्षेत्रों के छात्रों और आम नागरिकों सहित 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्हें ऊर्जा और जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने जी.बी.पंत मेमोरियल डिग्री कॉलेज, रामपुर, बुशहर (हिमाचल प्रदेश) में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.– वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद ने दिनांक 22, 26, 28 और 29 मई 2025 को स्वागत नगर, सुरराम और कोम्पली, हैदराबाद के आसपास के क्षेत्र में "एकल उपयोगी प्लास्टिक और ई–कचरे को कम करने" पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता, हैदराबाद द्वारा ''एकल उपयोगी प्लास्टिक और ई–कचरे को कम करने'' पर जागरूकता कार्यक्रम

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- झारखंड के हजारीबाग जिले में प्रस्तावित कोयला खनन ब्लॉक के 10 किलोमीटर के खनन प्रभाव और प्रभावित क्षेत्र में स्थित पाँच वन क्षेत्रों में दिनांक 25–30 अप्रैल 2025 तक प्राणी सर्वेक्षण किया गया, जिसमें तितलियों, पक्षियों तथा स्तनधारियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। कुल 24 तितली प्रजातियाँ, 74 पक्षी प्रजातियाँ और 13 जंगली स्तनधारी प्रजातियाँ दर्ज की गईं, साथ ही उनकी तुलनात्मक आंकड़े और संरक्षण स्थिति का भी आंकलन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.– वन आनुवंशिक और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- *मेलिया डुबिया* के GK–10 किस्म को PPV&FRA और FRA नई दिल्ली में विद्यमान (सामान्य ज्ञात की किस्म) श्रेणी में 18 वर्ष की सुरक्षा अवधि के लिए पंजीकृत किया गया (पंजीकरण संख्या REG/2024/0487)।
- यूकेलिप्टस की चुनौतीपूर्ण वृक्ष प्रजाति में **CRISPR-Cas** उपकरणों का उपयोग करके म्बभ्ज्ञज1;1 जीन में 1400 Pb विलोपन उत्पन्न किया गया। यूकेलिप्टस में पहली बार एक ऊतक–विशिष्ट **RNA Pol II** प्रोमोटर, **MsPRP2** का परीक्षण किया गया, ताकि बहु–सिस्ट्रोनिक **gRNA** निर्माण का उपयोग कर वांछित जीन विलोपन उत्पन्न किया जा सके। इन संरचनाओं का त्वरित मूल्यांकन एग्रोबैक्टीरियम राइज़ोजेन्स द्वारा प्रेरित **GFP-**टैगयुक्त जड़ों के समूह के माध्यम से किया गया, जो भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं. में यूकेलिप्टस के लिए विकसित की गई एक विधि है, साथ ही ए. ट्यूमफेसिएन्स द्वारा मध्यस्थित रूपांतरण से उत्पन्न पादपों में भी परीक्षण किया गया। अनुकूलित जीन संपादन विधियाँ और **MsPRP2** प्रोमोटर यूकेलिप्टस के आणविक प्रजनन के लिए नए नए आयाम खोलते हैं।

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- नागालैंड के ग्यारह वन प्रभागों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किए गए।

परामर्शी कार्य

करबा क्षेत्र के मानिकपुर ओसीएम के संबंध में 'पर्यावरणीय स्वीकृति (EC) शर्त के वैधानिक अनुपालन के लिए तीसरी पक्ष द्वारा पर्यावरण मूल्यांकन लेखा परीक्षा' पर नई परामर्श परियोजना प्राप्त की गई।

कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

1.	जी.बी. पंत एन.आई.एच.ई., अल्मोड़ा के सौजन्य से 'बदलती जलवायु के तहत हिमालयी वन संसाधन एवं जैव विविधता' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया	23 मई 2025	भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय और जी.बी. पंत एन.आई.एच.ई., अल्मोड़ा के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं तथा अधिकारियों सहित 40 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा "बदलती जलवायु के तहत हिमालय के वन संसाधन और जैव विविधता" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

2.	मृदा परीक्षण–आधारित पोषक तत्व प्रबंधन प्रथाएँ	07 मई 2025	उत्तराखंड वन विभाग के 45 अग्रिम पंक्ति अधिकारी

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा "मृदा परीक्षण–आधारित पोषक तत्व प्रबंधन पद्धतियाँ" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.– वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

3.	प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास	22 मई 2025	आई.सी.एफ.ए.आई. लॉ स्कूल, हैदराबाद के 42 छात्र

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा "प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची

4.	भू–क्षरण तटस्थता प्राप्त करने हेतु अंतःक्षेप पैकेज (आई.पी) की पहचान एवं मानचित्रण: झारखंड के लिए एक व्यापक रोडमैप	28 से 29 मई 2025	श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान, रांची से 45 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा "भूमि क्षरण तटस्थता प्राप्त करने के लिए हस्तक्षेप पैकेज (आईपी) की पहचान और मानचित्रणरू झारखंड के लिए एक व्यापक रोडमैप" पर कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प.– वन आनुवंशिक और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

5.	कृषि वानिकी	08 मई 2025	बैठक में तमिलनाडु के नांगुनेरी ब्लॉक और कन्नगुडी ब्लॉक के किसानों और वृक्ष उत्पादकों सहित 102 प्रतिभागियों ने भाग लिया

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा "कृषि वानिकी" पर बैठक

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
6.	क्षरित हिमालयी परिदृश्यों मेवन पुनर्जनन और अनुक्रमण में मृदा बीज बैंकों की भूमिका	30 मई 2025	भा. वा. अ. शि. प. –हि.व.अ.सं., शिमला के 25 वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी और शोधकर्ता
भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधिय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
7.	मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत I-GOT पोर्टल के लिए ई–लर्निंग मॉडल की शीक्षण सामग्री निर्माण	21 मई 2025	भा. वा. अ. शि. प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर के वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों सहित 25 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा “मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई–गॉट पोर्टल के लिए ई–लर्निंग मॉडल की शीक्षण सामग्री निर्माण” पर कार्यशाला

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
1.	ठंडे रेगिस्तानों में सतत आजीविका के लिए पॉपलर का रोपण और प्रबंधन	29 मई 2025	ताबो (लाहौल–स्पीति) के 30 किसान
भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू			
2.	ईंधन लकड़ी के पेड़ की मात्रा का अनुमान	07 से 09 मई 2025	तम्बाकू और ईंधन काष्ठ उत्पादकों और किसानों सहित 35 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

3.	जीविकोपार्जन के लिए जंगली फलः प्रसार, संरक्षण एवं मूल्यवर्धन	23 मई 2025	छत्तीसगढ़ राज्य वन विभाग के 53 अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी
4.	वानिकी प्रजातियों का गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन एवं कृषि वानिकी प्रबंधन	26 से 30 मई 2025	महाराष्ट्र वन विभाग के 20 अधिकारी

भा.वा.अ.शि.प.– उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "जीविकोपार्जन के लिए जंगली फलः प्रसार, संरक्षण और मूल्य संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा "वानिकी प्रजातियों के गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन और कृषि वानिकी प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

5.	मुर्गी पालन से निकले कूड़े से खाद बनाने की तकनीकें	14 से 17 मई 2025	मुर्गीपालकों सहित 35 प्रतिभागी और कृषि विभाग के अधिकारी
6.	पारितंत्र स्वास्थ्य कार्ड तैयार करना	26 से 28 मई 2025	विभिन्न राज्य वन विभागों के 11 भा.व.से. अधिकारी

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "मुर्गी पालन से निकले कुड़े से खाद बनाने की तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "पारितंत्र स्वास्थ्य कार्ड तैयार करना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

7.	असम में आजीविका सृजन के क्षेत्र में अगरवुड तथा इसकी भूमिका	30 मई 2025	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बोरभेटा पारिस्थितिकी विकास समितियों (ई.डी.सी.) के किसानों/सदस्यों सहित 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा"अगरवुड और असम में आजीविका सृजन में इसकी भूमिका" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

वन विज्ञान केंद्र के तहत गतिविधियां

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने दिनांक 19 से 30 मई 2025 तक उम्मेदपुर, देहरादून में "रिंगाल और बांस से हस्तशिल्प बनाना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उम्मेदपुर, श्यामपुर के कारीगरों और गंगोत्री कौशल विकास एवं उत्थान समिति (एनजीओ), देहरादून के प्रशिक्षकों सहित 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा "रिंगाल और बांस से हस्तशिल्प बनाना" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख, कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) के 35 छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ दिनांक 22 मई 2025 को फील्ड रिसर्च स्टेशन सह वन विज्ञान केंद्र, जगतसुख, कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्हें जैव विविधता संरक्षण और इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जगतसुख, कुल्लू के छात्रों ने वीवीके, जगतसुख, कुल्लू (हि.प्र.) का दौरा किया

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने और उच्च कुशल मानव संसाधन विकसित करने के अवसर पैदा करने हेतु दिनांक 17 मई 2025 को जी.बी. पंत मेमोरियल राजकीय महाविद्यालय, रामपुर बुशहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और जी.बी. पंत मेमोरियल राजकीय महाविद्यालय, रामपुर बुशहर, जिला शिमला (हि.प्र.) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने दिनांक 26 मई 2025 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के नूरपुर स्थित राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देना, उच्च कुशल मानव संसाधन विकसित करना तथा विज्ञान एवं तकनीकी, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैज्ञानिक ज्ञान और विशेषज्ञता के आदान–प्रदान को सुगम बनाना है।

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला और राजकीय आर्य डिग्री कॉलेज, नूरपुर जिला, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थापन, बेंगलुरु ने चंदन के अनुसंधान, शिक्षा, विस्तार, क्षमता निर्माण तथा वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु दिनांक 08 मई 2025 को सैंडलवुड सोसाइटी ऑफ इंडिया, बेंगलुरु के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु और सैंडलवुड सोसाइटी ऑफ इंडिया, बेंगलुरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थापन, बेंगलुरु ने दिनांक 28 मई 2025 को कर्नाटक राज्य वन उद्योग निगम (के.एस.एफ.आई.सी.), बेंगलुरु के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य के.एस.एफ.आई.सी. की टिम्बर यार्ड लेआउट इकाई में एक प्लाईवुड निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु परामर्श सेवाएँ प्रदान करना है, जिसमें प्रासंगिक भारतीय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और सर्वश्री कर्नाटक राज्य वन उद्योग निगम, बेंगलुरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी और प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- कोयंबटूर के दिल्ली पब्लिक स्कूल और विवेकानंद सीबीएसई स्कूल, रामनाथपुरम के 52 छात्रों ने दिनांक 02 और 06 मई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु के गैस वन संग्रहालय का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंणान संस्थान, जबलपुर

- हितकारिणी स्कूल, जबलपुर के शिक्षकों के साथ 85 छात्रों ने 06 मई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। उन्हें संस्थान की विभिन्न अनुसंधान एवं विकासात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

हितकारिणी स्कूल, जबलपुर के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प. –उ.व.अ.सं., जबलपुर भ्रमण किया

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- दिनांक 17 मई 2025 को शंकरदेव विद्या निकेतन, हातिचुंग, नागांव, असम के 56 छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के बांस संग्रहालय एवं व्याख्यान इकाई और बांस नर्सरी का दौरा किया। छात्रों को संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जागरूक किया गया।

शंकरदेव विद्या निकेतन, हाटीचुंग, नागांव, असम के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंणान संस्थान, शिमला

- भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने दिनांक 1 और 9 मई 2025 को जवाहर नवोदय विद्यालय, लाहौल, स्पीति और एन.ओ.पी.एस. पब्लिक स्कूल, घुमारवीं, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 110 छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान छात्रों को वानिकी अन्तःक्षेपों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन एवं शमन तथा पर्यावरण प्रदूषण और जल एवं ऊर्जा की बचत पर व्याख्यान भी दिए गए।

एनओपीएस पब्लिक स्कूल, घुमारवीं, बिलासपुर के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया

जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, येलहंका, एडमिनिस्ट्रेटिव मैनेजमेंट कॉलेज, बन्नेरगाथा, विजया कॉलेज, आर.वी. रोड, के.एल.ई. सोसाइटीज, एस. निजलिंगप्पा कॉलेज, राजाजीनगर, बेंगलुरु और एम.ई.एस. कॉलेज, रेवा विश्वविद्यालय, महारानी लक्ष्मी अम्मानी कॉलेज, मल्लेश्वरम और नेशनल कॉलेज, एन.एम.के.आर.वी. महिला कॉलेज, जयनगर, बसवनगुडी, बेंगलुरु के 240 छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ क्रमशः दिनांक 02, 05, 07, 08, 16, 21 और 29 मई 2025 को भा.वा.अ. शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु के काष्ठालय, काष्ठ संग्राहलय, काष्ठ कार्यशाला, काष्ठ एनाटॉमी लैब, उन्नत काष्ठ कार्य प्रशिक्षण केंद्र और तकनीक प्रदर्शन केंद्र का दौरा किया।

विजया कॉलेज, बेंगलुरु के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी और प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- डॉ. एन.जी.पी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जेयम हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, मनालुरपेट्टई और राजकीय महिला शिक्षा महाविद्यालय, कोयंबटूर के 252 छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 02, 05, 22 और 23 मई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर का दौरा किया। इस दौरान छात्रों को सदाबहार वन, सामुदायिक वृक्षों के लाभ, नवीकरणीय ऊर्जा, वन उत्पाद और प्राकृतिक आपदाओं पर व्याख्यान भी दिए गए।

कोयंबटूर के सरकारी महिला शिक्षा महाविद्यालय की छात्राओं ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की बोरभेटा इको डेवलपमेंट कमेटी, बिश्वनाथ कृषि विश्वविद्यालय, बिश्वनाथ चरियाली, असम और डीकेडी कॉलेज, डेरगांव, गोलाघाट (असम) के 99 छात्रों ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 08, 20 और 30 मई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के कीटालय, बांस संग्रहालय और व्याख्यान इकाई, बांस पौधशाला, बांस वाटिका, बांस चारकोल इकाई, बांस संरक्षण इकाई और बॉटनिकल गार्डन का दौरा किया।

बिस्वनाथ कृषि महाविद्यालय, बिस्वनाथ चरियाली, असम के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया

- भा.वा.अ.शि.प.–आजीविका विस्तार केंद्र, अगरतला ने दिनांक 08 मई 2025 को काशीमुख, जुलैबारी, दक्षिण त्रिपुरा में 'आजीविका सृजन हेतु कृमीखाद तकनीक' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में काशीमुख, जुलैबारी, दक्षिण त्रिपुरा के स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, छात्रों, शिक्षकों और कृषकों सहित 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंणान संस्थान, जबलपुर

- कुंडल अकादमी, प्रशासन विकास और प्रबंधन, कुंडल जिला सांगली, महाराष्ट्र के 36 वन रेंज अधिकारियों ने दिनांक 06 मई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्हें चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल के बारे में जानकारी दी गई।

कुंडल अकादमी, कुंडल जिला सांगली, महाराष्ट्र के वन रेंज अधिकारियों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- झामकोफेड, रांची के 50 प्रशिक्षु किसानों ने दिनांक 22 मई 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची के बांस वाटिका और औस–उपवन का दौरा किया। दौरे के दौरान उन्हें अकाष्ठ वन उत्पादों और औषधीय पादपों और उनके मूल्य संवर्धन के बारे में जानकारी दी गई।

झामकोफेड, रांची के प्रशिक्षु किसानों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची का दौरा किया

प्रकाशन

शोध पत्रः

- खनाल, एस., कुमार, ए., कुमार, पी., ठाकुर, पी., चंदेरे, ए.एम., वर्मा, आर., तपवाल, ए., चौहान, वी., कुमार, डी. और कुमार, डी. (2025)। ओमिक्स और मशीन लर्निंग मॉडलिंग के माध्यम से *गैनोडर्मा ल्यूसिडम* में जैवसक्रिय क्षमता तथा उत्पादन का पता लगाना। *चीनी हर्बल औषधियाँ*।
- सद्दाम, बी., वांग, जे., और कुमार, पी. (2025)। पैरानोसिया ली 2014 (*हेमिप्टेरा: सिकाडिडे*) वंश की समीक्षा, जिसमें भारत की एक नई प्रजाति का विवरण शामिल है। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल इंसेक्ट साइंस*, 1–11।
- लता, एस., चौहान, वी., बर्मन, टी. और पॉल, एस. 2025. हिमाचल प्रदेश, उत्तर पश्चिमी हिमालय में सिल्विपेस्टोरल प्रणालियों में वृक्ष चारा प्रजातियों की वहन क्षमता। *इंडियन फॉरेस्टर*, 151 (5): 415–422.
- पॉल, एस., कनवाल, के.एस., कुमार, ए., सामंत, एस.एस., भट्ट, आई.डी., सुंदरियाल, आर.सी. और लता, एस. 2025. ट्रांस–हिमालय, भारत में संरक्षण हेतु संवेदनशील बहुपयोगी पादप *हिप्पोफेरहैम्नोइड्स* उपप्रजाति *तुर्केस्तानिका* के वितरण पर आबादी स्थिति और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव। फ्रंटियर्स इन फॉरेस्ट्स एंड ग्लोबल चेंज, 8:1551024. doi: 10-33 89 @ ffgc.-2025-1551024.
- बेगम, ए. और बोरा, आर.के. (2025). *ओफियोकॉर्डिसेप्स साइनेंसिस*: हिमालय का एक कीटजन्य औषधीय कवक, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, 14(05): 209–215.
- कुमारी, टी., सील, एस., नौटियाल, आर., और कुमार, डी. (2025)। क्या पारंपरिक कृषि–वनसंवर्धन प्रणालियाँ किसानों के लिए लाभदायक हैं? उत्तराखंड, भारत के चकराता तहसील के मटर के खेतों में *ग्रीविया ऑप्टिवा* के लाभ–लागत विश्लेषण से रहस्योद्घाटन। कृषि वानिकी प्रणालियाँ, 99(5), 1–10।

पुस्तक के अध्यायः

- तिवारी, बी., तरुणा, और शर्मा, एच. (2025)। उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय चीड़ के जीनोमिक सुधार और संरक्षण। उष्णकटिबंधीय वृक्ष सुधार और संरक्षण के लिए जीनोमिक्स आधारित दृष्टिकोण (पृष्ठ 191–207)। सिंगापुरः स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर।
- कुमारी, टी., सील, एस., शाहिना, एन. एन., और शुक्ला, जी. (2025)। भारत में वनों का निम्नीकरणः कारण और पुनर्स्थापन के प्रयास। वन निम्नीकरण और प्रबंधनः भारतीय परिप्रेक्ष्य में (पृष्ठ 23–39) में। चामः स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड। DOI https://doi.org/10.1007/978-3-031-84055-5_2

- गुरु, एन., कुमार, पी., देवी, एस. और कुमारी, आर. (2025)। बहु–मानदंड निर्णय विश्लेषण (एमसीडीए) का उपयोग करके वनाच्छादित जलग्रहण क्षेत्र के मृदा अपरदन–प्रवण क्षेत्र का आकलन। सतत कृषि के लिए एकीकृत भूमि एवं जल संसाधन प्रबंधन में। खंड 1. स्मार्ट कृषि, खंड 4. स्प्रिंजर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-9796-7_9

- पटेल ए, मोदक के, गुरु एन, मिश्रा जी, और कोठारी एस, (2025)। 'वन निगरानी में प्रयुक्त उपकरण और तकनीकें। समावेशी और सतत आर्थिक विकास हेतु वन। एल्सेवियर, यूएसए. एल्सेवियर, पृष्ठ 131–142, ISBN 9780443314063। https://doi.org/10.1016/B978-0-443-31406-300010-2

सामान्य लेख:

- गुरु, एन. (2025). 'पूर्वोत्तर भारत में समुदाय–आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन रणनीतियाँ: एक एकीकृत दृष्टिकोण' जलवायु परिवर्तन और हमारी ज़िम्मेदारियाँ पर पत्रिका में प्रकाशित।

सार:

- गुरु, एन., दास, एम. और दास, डी. जे., (2025). असम के दिहिंग अनगेज्ड वाटरशेड में वर्षा और तापमान का समय श्रृंखला विश्लेषण: एक अध्ययन, जैव विविधता पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: सतत विकास हेतु अन्वेषण, दोहन और संरक्षण, 6–7 मार्च, 2025।

राजभाषा गतिविधियां

- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (मुख्यालय), देहरादून में दिनांक 16 मई 2025 को 'संशोधित त्रैमासिक हिंदी रिपोर्ट में उचित प्रविष्टि' विषय पर राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय) के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को ई–ऑफिस में टिप्पण और पत्राचार आंकड़ों की गणना के बारे में भी जानकारी दी गई।

भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय द्वारा "संशोधित त्रैमासिक हिंदी प्रतिवेदन में उचित प्रविष्टि" पर हिंदी कार्यशाला

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा दिनांक 20 मई 2025 को "राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन" पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और संस्थान के अधिकारियों सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा "राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन" पर कार्यशाला

- भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 23 मई 2025 को हिंदी त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया। भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट के 30 प्रतिभागी बैठक में शामिल हुए।

विविध

- भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर ने दिनांक 15 मई 2025 को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में छात्रों और आम लोगों सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., कोयंबटूर ने अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री नव बहार, वैज्ञानिक–ई भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	31.05.2025
डॉ. प्रमोद कुमार, वैज्ञानिक–डी भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर	31.05.2025
श्री सरज लाल मीना, मु.त.अ., भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.05.2025
श्री सतीश कुमार, व.त.अ., भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर	31.05.2025

संरक्षक:
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून
संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य
हिन्दी संस्करण:
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य
सहायक:
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान:

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।